Total Pages : 5 Roll No. .....

LM-107

Judicial Proces

(न्यायिक प्रक्रिया)

(Master or Law LLM-12/16/17)

Second Year, Examination, 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

Note : This paper is of Eighty (80) marks divided into two (02) sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

SECTION–A/(खण्ड-क)

(Long Answer Type Questions)/(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains five (05) long answer type questions of fifteen (15) marks each. Learners are required to answer any three (03) questions only. (3×15=45)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What constitutes judicial process ? Are the judges of the constitutional courts only messangers of social change in India ? Discuss fully.

न्यायिक प्रक्रिया क्या है? क्या भारत में सांविधानिक न्यायालयों के न्यायाधीश ही सामाजिक परिवर्तन के दूत हैं? व्याख्या कीजिए।

2. "In the inevitable chemistry of social change, judges are certainly not anti-catalysts."–Justice Krishna lyer.

Examine the above observation in the light of legal reasoning.

"सामाजिक परिवर्तन के अपरिहार्य रसायन में न्यायाधीश निश्चित ही उत्प्रेरणा-अवरोधी नहीं हैं।" – न्यायमूर्ति कृष्णाअय्यर

विधिक विवेचन के आलोक में उक्त संप्रेक्षण का परीक्षण कीजिए।

3. Explain judicial review and point out the constitutional provisions which empower the constitutional courts to exercise such power. Is there any difference between Indian and U.S. supreme court concerning power of judicial review.

न्यायिक पुनर्विलोकन को समझाइए। उन सांविधानिक उपबंधों को इंगित कीजिए जिनके अन्तर्गत सांविधानिक न्यायालय ऐसी शक्ति का प्रयोग करते हैं। क्या भारत और संयुक्त राज्य के उच्चतम न्यायालयों में न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्ति के प्रयोग में अन्तर है?

4. Explain judicial legislation. How do the courts make such legislation. Does such legislation benefit the society. Give examples.

न्यायिक विधान से आप क्या समझते हैं? न्यायालय ऐसा विधान किस प्रकार बनते हैं? क्या ऐसे विधान से समाज को लाभ होता है? उदाहरण दीजिए।

5. The existing collegium system of appointment and transfer of judges of the supreme court and high courts is "absolutely opaque and inacessible both to public and history, barring occasional leaks." Justice Chelameshwar.

Examine the collegeium system in the light of above observation and suggest improvements.

उच्चतम और उच्च न्यायालयों के न्यायाधिशों की नियुक्ति और स्थानान्तरण की वर्त्तमान कॉलजियम प्रणाली "नितान्त अस्पष्ट और विरल रिसाव (लीक) को छोड़कर जनता तथा इतिहास दोनों के लिए अगम्य है।" न्यायाधीश चलमेश्वर

उपर्युक्त संप्रेक्षण के संदर्भ में कॉलेजियम प्रणाली का परीक्षण कीजिए और इसमें सुधार सुझाइए।

SECTION–B/(खण्ड-ख)

(Short Answer Type Questions)/(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains eight (08) short answer type questions of seven (07) marks each. Learners are required to answer any five (05) questions only.

(5×7=35)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Briefly discuss the role of precedents in the growth of law.

विधि के विकास में पूर्व निर्णयों की भूमिका पर संक्षेप में उत्तर दीजिए।

2. Enumerate the essential features of Legal Services Authorities Act, 1987.

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की मुख्य विशेषताएं बताइए।

3. Discuss the impact of Shah Banu Begum (AIR 1985 SC 945) ruling on rights of muslim women.

मुसलमान महिलाओं पर शाह वानो बेगम (ए.आइ.आर 1985 एस. सी. को 945) के निर्णय का क्या प्रभाव हुआ? विवेचना कीजिए।

4. 'Judicial activism is contrary to separation of pwoers.' Comment.

"न्यायिक सक्रियता शक्ति प्रथककरण के विरुद्ध है।" समीक्षा कीजिए।

5. Discuss Dharma in Indian thought.

भारतीय चिन्तन में धर्म का विवेचन कीजिए।

6. Point out any case in which the supreme court has banked on natural law for deciding it.

किसी एक निर्णय को बताइए जिसके निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने नैसार्गिक (प्राकृतिक) विधि का सहारा लिया है।

7. What is constitutional morality ? Is it different from morality of Act. 25(1) of the constitution ?

सांविधानिक सदाचार क्या है? क्या यह सांविधान के अनुच्छेद 25 (1) के सदाचार से भिन्न है?

8. Write a note on "Principles of natural law in the constitution of India".

"भारत के संविधान में प्राकृतिक विधि के सिद्धान्तों" पर टिप्पणी लिखिए।